Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन मार्च २०१५

परमेश्वर पर प्रतिक्षा करो
वो आपको निराश नहीं करेंगे

दो अलग लोग जो अलग परिवार, अलग माहौल और अलग धारणाओं के साथ तन में एक होकर आकर्षण का एक उच्च साधन बन सकते है, परंतु मन, शरीर और आत्मा की एकता, केवल परमेश्वर की आत्मा के एकजुट करनेवाले सामर्थ्य से ही हासिल होता है। हर एक अच्छी चीज परमेश्वर से आती है – सही समय पर। जब आप प्रतिक्षा करते हो, कि परमेश्वर कार्य करेंगे, तब आपको एक बात याद रखनी है, कि भले ही परमेश्वर कभी कभार जल्दी करें, लेकिन वे देरी कभी नहीं करते।

अगर आप सचमुच परमेश्वर पर भरोसा करते हो, तो उनपर प्रतिक्षा करने में आपको कोई दिक्कत नहीं होगी, खास कर यह ध्यान में रखते हुए कि उनके दिल में आपके लिए सर्वोत्तम लाभ है। और कुछ लोग यह महसूस ही नहीं करते, कि जो उन्होंने माँगा वो तो पहले से उनके पास है। परमेश्वरने आपको एक सही स्थान, सही घर, और सही परिवार में स्थापित किया है। अगर आप शादीशुदा हो, तो यकिन करो कि उन्होने आपको योग्य जीवनसाथी दिया है – सबकुछ वैसा ही है, जैसा होना चाहिए। कुछ लोग चीजों को उस तरीके से नहीं देखते जिस तरीके से देखना चाहिए क्योंकि वो खुद गलत होते है।

अगर आप शादीशुदा हो और कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हो, तो घुटनों पर जाओ और प्रार्थना करो। परमेश्वर किसी इन्सान का आदर नहीं करते। हमे उन्हें सही चीजें करने के लिए मनाने की जरुरत नहीं पड़ती। अच्छा करना तो उनके स्वभाव में ही है। तो अगर आप प्रतिक्षा कर रहे हो, कि परमेश्वर आपके जीवन में कार्य करेंगे, तो नम्र (सज्जन) व्यक्ति के समान प्रतिक्षा करो। तो बारबार परमेश्वर से अपनी परिस्थिति की तकरार करके उन्हें परेशान मत करो। इस्त्राएलियों को वादे के भूमि पर जाने के लिये ४० साल लगे – ज्यादातर उनके बड़बड़ाने और खुद के लिए ही उपद्रव पैदा करने की वजह से। कभी कभी वे लागे बढ़ने से साफ इनकार करते। लेकिन अंत में परमेश्वर उन्हें उस वादे की भूमि पर ले ही आये,जो देना का वादा उन्होंने किया था।

आपको वादे के भूमि पर आने के लिए कितना समय लगेगा? क्या आप रास्ते भर बड़बड़ाते और शिकायत करते रहोगे और चीजों को आपने आपके लिए और दूसरों के लिए और भी बदतर बनाओगे? या फिर आप खुद के खिलाफ काम करना बंद करोगे, परमेश्वर पर भरोसा करोगे, और अच्छे और सहनशील व्यक्ति बनोगे? चुनाव आपका है! परमेश्वर जानते है, कि आप किन हालातों से गुजर रहे हो पर लेकिन वे यह भी जानते है कि आप इसे संभाल सकते हो।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

A Precious Instrument

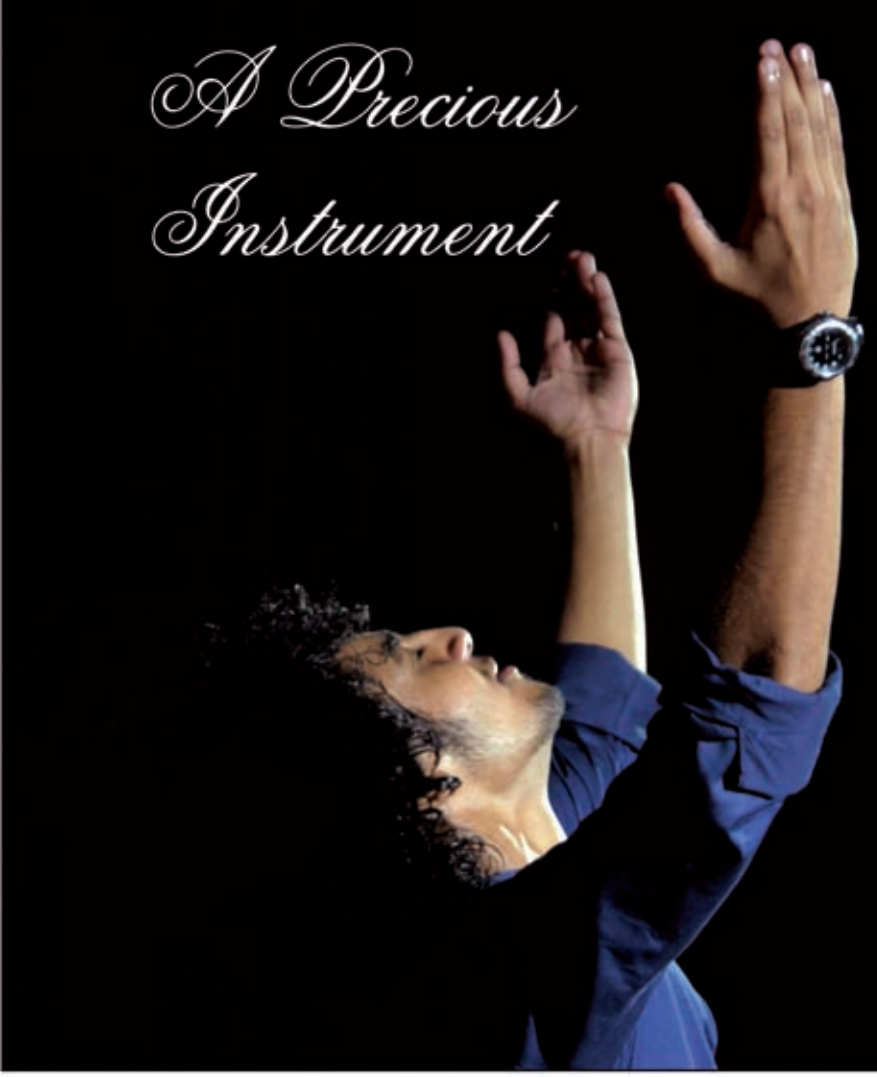

Lord, we are your instruments,
For work, worship and praise
Though we live in a world
Of corruption, confusion and daze.

Let us not be instruments
In a scrap or junk shop,
But use us, Lord, for your purposes
Till our breath gracefully stops.

A precious instrument
In a safe place, in a godown,
Awaits the Maestro to strike,
The cords to give the good sound.

To give the Good News
"The Kingdom of God is at hand"
To love and serve in peace,
This is needed in our land.

– Benedict Vivian Fernandez

K4C Corner CROSSWORD

S	S	Y	A	D	E	S	S	T	E
T	S	N	T	E	M	P	T	E	D
S	P	E	T	I	R	I	P	S	E
A	N	W	N	R	O	I	E	M	T
E	S	A	I	R	A	F	V	P	S
B	E	T	T	N	E	P	E	R	E
A	S	O	G	A	G	D	I	D	R
T	O	E	O	O	S	E	L	W	R
A	L	A	O	G	E	I	E	I	A
S	C	D	N	E	W	S	B	L	W

SPIRIT
SATAN
ANGELS
CLOSE
WILDERNESS
WILD
GOOD
REPENT
TEMPTED
BEASTS
NEWS
BELIEVE

परमेश्वर के वादों के जरिए रुपांतर – भाग ४

९. जीत का वादा

२ कुरिन्थियों १:२० इतना सामर्थ्यशील वादा है:

"क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएँ हैं, वे सब उसी में 'हाँ'के साथ हैं। इसलिये उसके द्वारा आमीन भी हुई कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।" (२ कुरिन्थियों १:२०)

यह समय है कि हम "आमीन" कहे और जीत में चले, जो ऐसी चीज है, जिसे जीतने की जरुरत नहीं, लेकिन येशूने इसे पहले ही जीत लिया है, और उन सबके लिए उपलब्ध करवाया, जो विश्वास से, इसे स्वीकारते है।

"परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभू येशू मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है।" (१ कुरिन्थियों १५:५७)

केवल परमेश्वर पर भरोसा करने से हमे मुक्ति प्राप्त होती है। जो हमे विश्वास की राह पर आगे बढ़ाती हैं, इस भरोसे के साथ, कि परमेश्वर उनके तरीके से और सही समय पर जीत जरुर देंगे।

"क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है; और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है, हमारा विश्वास है।" (१ यूहन्ना ५:४)

जब कुछ लढ़ाइयाँ लंबे समय तक चलती है, तो हम यह विश्वास करेंगे, कि जब तक स्वामी कार्य कर रहे है, तब तक यह परिस्थिति हमारे लिए परीक्षा है, ताकि हम विश्वास को लगातार जारी रखे और दृढ़ रहे!

अंदरुनी प्रलोभन पर विजय

कभी कभी हम बाहरी प्रलोभन पर जीत हासिल करते है, परंतु जब कभी हमे यह महसूस हो, कि हमारा अंदरुनी प्रलोभन बहुत ही प्रभावशाली है, तो इन वादों का दावा करें:

१."तू कौन है जो दूसरे के सेवक पर दोष लगाता है? उसका स्थिर रहना या गिर जाना उसके स्वामी ही से संबंध रखता है; वरन् वह स्थिर ही कर दिया जाएगा, क्योंकि प्रभु उसे स्थिर रख सकता है।" (रोमियों १४:४)

२."तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने ने बाहर है। परमेश्वर सच्चा है और वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन् परीक्षा के साथ निकास भी करेगा कि तुम सह सको।" (१ कुरिन्थियों १०:१३)

अगर आप रास्ते के बीचों बीच खड़े होकर, जोर से चिल्लाकर कहोगे, 'हे प्रभू मुझे इस भीड़ से बचा', तो जाहीर है, कि आपको ठोकर जरुर लगेगी। तुम्हे उस भीड़ से भरे रास्ते से बाहर निकलना है! तुम वहाँ पहुँचे क्योंकि कूदने से पहले आपने देखा ही नहीं।

वैसे ही, अगर आप अपने इर्दगिर्द ऐसी परिस्थितियाँ देखो जिससे बाहर निलने की राह दिखाई ना दे। लेकिन जब हम सर्वश्रेष्ठ को पुकारते है, वो हमारी पुकार सुनने के लिए रुकते है।

"जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो : आत्मा तो तैयार है, परंतु शरीर दुर्बल है।" (मत्ती २६:४१)

पढ़ो, याद करो और कहो 'आमीन' और उनपर भरोसा करो। हो सकता है, कि वे गाड़ी की रफ्तार धीमी कर दे ताकि तुम सुरक्षित, सड़क पार कर सको!

हमें लालसा की जड़ को काटना है:

अ) अगर टी वी आपके लिए और आपके परिवार के लिए लालसा का माध्यम है, तो उसे काट दो।

ब) अगर दोस्ती लालसा का माध्यम है, तो उसे तोड़ दो।

स) अगर आपका कोई निजी उद्देश्य या वस्तु आपके लिए लालसा और रुकावट है, तो उसे परमेश्वर को दे दो। उसे उनकी पवित्र वेदी पर रखदो और उन्हें उसे भस्म करने की आज्ञा दो।

ड) और अगर ऐसा कुछ है, जिसके बारे में आप कुछ नहीं कर सकते, तो सर्वशक्तिमान पर भरोसा करो, कि वे इसमे से बाहर निकलने की राह बनाऐंगे। लेकिन आप कभी भी लालसा, और बहकानेवाले, कामोत्तेजना जगानेवाली स्त्री, और वस्तु या ऐसी चीजें जो आपको लालसा में डाले उनसे खेलना नहीं। शिमशोन को याद करो!

"प्रभू अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कुछ लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।" (२ पतरस २:९)

वचन यह करता है! वचन को पकड़े रखो।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

कहाँ है ? ♡ प्यार

हम अक्सर सुनते है, कि परमेश्वर प्यार, दया, करुणा, अनुग्रह और नेकदिली से परिपूर्ण है। और हम मे से कुछ अपने निजी अनुभव की वजह से जानते है, कि यह सच है। अगर परमेश्वर का प्यार सचमुच इतना परिपूर्ण है, फिर क्यों इतने सारे लोगों में इसकी कमी है? इतने सारोंने इसे महसूस क्यों नहीं किया।

इसका जवाब जो आप सोच रहे हो उससे भी सरल है।

मैं आपको इस तरह से बताता हूँ। पृथ्वी पर बहुत सी जगह अत्यंत निर्जल है। इन जगहों पर कुछ भी पैदा नहीं होता। ना कोई जीवन, ना कुछ उगाना। और इसका कारण बंजर जमीन नहीं। परंतु इन क्षेत्रों में पानी का आभाव, जो जीवन का मुख्य स्रोता है और विकास की कमी, ही इसका कारण है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पृथ्वी पर पानी नहीं है। हमारे ग्रह की सतह का ७० प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा पानी है। असल में, प्रत्येक महाद्वीप पर सैकड़ों बडे और छोटे नदियाँ और झील है। इन क्षेत्रों में से कुछ क्षेत्रों में, अगर नजदीक के किसी स्रोते से पानी का बहाव मोडा जाए, तो यह कल्पना करना उचित होगा कि वहाँ भी बहुत जल्द कुछ प्रकार के वनस्पतियों की पैदावार होगी।

परमेश्वर के साथ भी ऐसा ही है। क्योंकि कुछ लोगों को उनके प्यार, दया और करुणा का एहसास नहीं होता, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह है ही नहीं। अगर ऐसा कुछ है, तो परमेश्वर का प्यार इन सबसे अधिक परिपूर्ण है। सच तो यह है, कि कुछ लोग, सभी अच्छी चीजों के स्रोते से इतना दूर भटक गए है, कि अब वे उसे पहचानते तक नहीं।

परमेश्वर प्यार है। उनका प्यार लाखों महासागर में समानेवाले पानी से भी ज्यादा है। अगर किसी तरह परमेश्वर का प्यार, नजदीक के किसी स्रोते से मोडा जा सकता, तो यह कल्पना करना उचित होगा कि वहाँ लगभग तुरंत "जीवन " का पुनरुत्थान होगा।

अगर कोई है, जो परमेश्वर को "जानता है ", जाकर उस बेघर आदमी से मिले जो उसकी गली के अंत में रहता है...

अगर कोई येशू को "जानता है " तो उस बच्चे को उनके बारे में बताए जो सोचता है, कि जीवन केवल तेज गाडियाँ, फैंसी गैजेट और सस्ते रोमांचक चीजों में बहना है।

अगर हम परमेश्वर को जानते है, तो उनके बारे में जाकर लोगों को बताऐंगे केवल प्रचार के जरिए ही नहीं लेकिन "आउटरीच" (उन तक पहुँचकर) जिन्हें स्नेह से भरे शब्दों की जरुरत है, एक मदतगार हाथों की जरुरत है, जादू की झप्पी की जरुरत है, एक मुसकुराहट की जरुरत है, इससे हम कितने बदलाव करेंगे। अगर हम परमेश्वर के प्यार का माध्यम बनेंगे, तो यह दुनिया उनके अनुग्रह से भर जाएगी।

– संपादकीय डेस्क

Live in the Spirit

Broadcast Timing & Channel No.

Lemon TV News : Daily 10.30 p.m.

Hathway - 223, In Cable - 561

BIG J TV : Daily 11 a.m. & 9 p.m.

Hathway - 878, Digi Cable - 478

Den Cable - 638

Rophe TV (GOA) : Daily 1 & 8.30 p.m.

Rophe TV (KOLHAPUR) : Daily 7.30 a.m. & 9 p.m.

डायरी एक मंझले की

समय और बदलाव के बारे में

मैं बचपन से ही, दुनिया के दृष्टीकोण से परमेश्वर को कभी भी समझ नहीं पायी। सबसे पहले, तो इस बड़ी सी दुनिया में, मेरा अस्तित्व और मेरे होने का मक्सद क्या है, यह प्रश्न हमेशा मुझे उलझाता था। इतनी बड़ी दुनिया और उसमें मैं एक मनहूस।

१० साल की उम्र में, मै ने अपने मित्रों और परिवार को तीर्थयात्रायों पर जाकर, हाथ जोड़के, आँखे बंद करके, दिल की गहराई से, मनोरथों को फुसफुसाकर माँगते हुए देखा ... और मैं यह सोचती थी, कि आखिर इन्हें कौन सुन रहा है???

मेरे लिए विश्वास यह कोई अंधविश्वास की बात नहीं थी। यह एक गहरे आश्वासन की जागरुकता है, जो हम अपने साहस में इकट्ठा करते है, एक दृढ़ विश्वास की भावना कि "कोई" है, जो सुन रहा है। लेकिन कौन? ब्रम्हांड? सर्वसामर्थ्यशील? महान सर्वशक्तिमान? और क्या यह एक है, या बहुत से?

हम में से कुछ लोगों को कम उम्र मे ही इस भावना से वर्दानीत किया गया है। हम में से कुछ अभी भी इसकी तलाश में है... मै भी थी ... और फिर, आखिर, वह आश्वासन आया ... भरोसा और विश्वास ... आखिर मैंने जाना कौन है, जो सुन रहा है।

लेकिन अभी भी एक और समस्या है: जब मैं १८ साल की थी तब मैंने अपने बुलावे को जाना, एक ऐसी उम्र जब आम तौर पर सभी लोगों को विद्रोह और आत्मिकता की धारणा एक मजाक लगती है।

मैं घबरा गयी: कि अब मैं कैसे इसके अनुरुप बनुँ? क्यों मेरा बहिषकार किया जा रहा है? यह ऐसी उम्र है, जहाँ हर कोई सबकुछ आजमाता है, चिल्लाते हुए!!! (जिंदगी ना मिलेगी दोबारा)

तो, मैं क्या करुँ? इन लोगों से दूर हो जाऊँ, जो सालों से मेरे दोस्त थे? दूर करु और नजरअंदाज करु कि ना वो कभी मुझे समझेंगे और नाही यह, कि मैं क्या महसूस करती हूँ? या उन्हें मेरे बारे में चाहे जितना बुरे सोचने दूँ। एक समय में, जो नास्तिक थी, अब एक किशोरी है, जो आराधना करती है, सेवा करती है, जो पवित्र शास्त्र पढ़ती है?

जैसे समय बीता, मैं बदल गयी... सच। लेकिन क्या मैं इस योग्य नहीं कि मैं दूसरों से मित्रता रखूँ जिन्होने परमेश्वर को नहीं समझते। क्या वो मेरे बारे में यह सोचते है, कि मैं कुछ निराली सोचती हूँ?

यहाँ मैने समाज के उस पहलू को मुझ से दूर और अनदेखा होते हुए देखा, जो मुझे परमेश्वर के सजीव प्यार को जवाब देने से रोक रहा था। मैं एक पुल बनकर उस दरार को भरना चाहती थी, ताकि जो प्यार मेरे रचयता से मुझे मिला है, उसे मैं दूसरों में फहला सकूँ।

मै ऐसा करना चाहती हूँ, लेकिन बिना "अजनबी" बने।

उत्तर? मुझे केवल अपने भीतर देखना था, और उस भाषा को समझना था, जो सभी के लिए सरल और सामान्य है। प्यार! प्यार करो और प्यार पाओ। प्यार के साथ विनम्रता, देखभाल और समझ भी आती है, इन दो दुनियाओं के बीज में खड़े रहने का सामर्थ्य। "बीच में" – यहीं पर मै अनुरुप बनती हूँ।

यहाँ पर ब्रदर मैन्युएलने "समय" इस विषय पर दिया हुआ वचन कार्य में आया। समय ही सारे बदलाव की परिभाषा है ... प्यार करने की... जाने देने की ... गुस्से पर हाबि पाने और क्षमा करने की ... सारे घावों को चंगा करने की ... शांति बरकरार करने की ... झगड़ा मिटाने की ... समझने की ...

समय ऐसी भाषा है, जो सभी समझते है ... हमे इस पल को हासिल करना है। बुरे पर मात पाओ, और अपना बेहतरीन दो। समय एक ऐसा कैन्वस है, जो परमेश्वर के अस्तित्व को चित्रित करता है। सभी चीजें बदलती है और हर एक उदासी का सुखद अंत होता है। हर एक अशांत को उसकी शांति मिलती है। इन पालों के दौरान, हमे समझना है कि केवल परमेश्वर ही निरंतर है, जो सारे "बदलाव" के रचयता है, और यही मायने रखता है।

इसलिए, मैने इसे अपना विशेष अधिकार बनाया है, समय वो खास औजार है, जिसकी जरुरत मुझे गवाही देने, और प्रेरित करने और मेरे आस पास के लोग, जो जुदा हुए है, उनके बीच में खड़े होने के लिए है, करुणा के आश्चर्यजनक सामर्थ्य पर रोशनी डालने के लिए जो मेरे भूत, वर्तमान और भविष्य की गवाहि देता है, वह मेरे महान परमेश्वर के मेहनत से ही संपन्न हुआ है, और वे ही अब तब के मेरे सकसे परम मित्र है।

– बी.एम.एम. यूथ

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मैं पिछले ८ सालों से ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज की भाग हूँ। इन दिनों मैंने दो महत्वपूर्ण बातें सीखी है। एक है, चुप रहने का सदगुण। मुँह खोलकर नकारात्मक बात करने से अच्छा है, चुप रहकर सकारात्मक बनो। और दूसरी बात यह है, कि हम परमेश्वर के वचन के प्रति आज्ञाकारी रहे। जब परमेश्वर नहीं चाहते, कि आपमे कुछ गलत रहे, तब वे उसे आपके जीवन से बाहर निकाल देंगे। येशू, मैं आपका धन्यवाद करती हूँ, आपके नाम की स्तुति करती हूँ और चाहे जो भी हो जाए मैं आपके साथ हूँ।

-स्नेहा टाक

मैं अमेरिका में रहती हूँ। ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज में आने के बाद मुझे मिरगी से चंगाई मिली, फिर मेरी शादी हुई और मैं गर्भवती हो गयी। मुझे गर्भावस्था में कोई समस्या नहीं थी, परंतु जब मेरी बेटी ६ महीने की थी, तब उसे शिशु बोटुलिज्म यानी खाने में विषबादा हुई। ब्रदर मैन्युएलने उसके लिए प्रार्थना की। और ब्रदर मैन्युएलने मुझे एक रुमाल दिया था, उसे मैं लगातार उसके शरीर पर रखती थी। यह उसपर एक कवच के समान था। अब मेरे बेटी की तबियत एकदम ठीक है। मेरी बेटी को चंगाई देने और मेरे जीवन में उनकी महान उपस्थिति के लिए मैं प्रभू येशू का धन्यवाद करती हूँ।

-मोना क्रिपलानी

पिछले महीने मैं इतनी बिमार थी, कि मुझे लगा था जैसे मैं जिंदा नहीं रहूँगी। केवल ब्रदर मैन्युएल और इस सेवकाई की प्रार्थनाओं की वजह से ही मैं जिंदा हूँ। मैं प्रभू का धन्यवाद करती हूँ, कि मै इस सेवकाई का भाग हूँ। मैने प्रभू येशू मसीह को, केलव ब्रदर मैन्युएल की वजह से जाना है। मैं अनपढ़ थी, लेकिन इस सेवकाई में आने के बाद मै पढ़ने लगी। अब, मुझे स्कूल में एक शिक्षिका (टीचर) की नौकरी मिल गई है।

-तारा सिंह

मै २००६ से ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज में आ रहा हूँ। पिछली ध्यानसभा में परमेश्वरने अपने वचन के जरिए मेरे दिल की आँखे खोल दी। मैंने महसूस किया कि परमेश्वर मुझ से कितना प्यार करते है। उन्होंने मेरे जीवन में प्यार लाया। मेरे व्यवसाय में उन्नति लायी। और मुझे एक सुंदर घर दिया है। मैने फैसला किया हैं, कि मैं अपने आपको फिर से संगठित करुँगा और परमेश्वर की महिमा के लिए अपने प्रार्थनिक, व्यवहारीक, और पारीवारिक जीवन के हर एक पहलु को पुनःप्राप्त करुँगा। धन्यवाद येशू।

-जीत सुरेंद्रनाथ

Get all the **Latest Updates** from BMM at the touch of a button. Download the BMM app on your phone Today!

Available on Google play App Store

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

गोवा शुभसमाचार घोषणा
मार्च १४-१५ २०१५

मुंबई ध्यानसभा (रिट्रिट)
अप्रैल ४-५, २०१५

मुख्यकार्यालय
एस-4, ब्ल्यु नाइल अपार्टमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लॉट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत
बुधवार कि प्रार्थना सभा
अधिक जानकारी के लिये कॉल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers